विषय सूची

वर्णमाला में तीसरा वर्ग : 'ट, ठ, ड, ढ, ण' से आरम्भ होने वाले शब्द

433. टक : टकटकी , स्थिर दृष्टि । नारियल का पेड़ ।
434. टंक : एक तोला और चार माशे का अनुपात । क्रोध । पत्थर का टुकड़ा ।
435. टंकी : पानी एकत्र कर रखने का कुण्ड

436. टक्कर : दो ठोस यन्त्रों या वस्तुओं का आपस में भिड़ जाना ।
437. टकराना : वेग से ठोकर लगना । भिड़ना । धक्का खाना ।
438. टकटोहन : छू कर या टटोल कर देखने की क्रिया । परखना । जॉच करना ।

439. टटका : नया । कोरा । तुरंत का तैयार किया हुआ ।
440. टपक : बिना किसी अन्य द्वारा कोशिश किये, स्वभाविक रूप से नीचे गिर जाना। जैसे, वृक्ष से पका फल मेरे सामने टपक गया । अशिष्ट भाषा में, किसी के देहान्त को भी 'टपक गया' कहते हैं ।
441. टपकना : बूँद बूँद कर नीचे गिरना । रिसना । रिस कर बहना ।
442. टपाटप : शीघ्रता से । झटपट । जैसे घोड़ा टपाटप दौड़ा जा रहा था ।

443. टर : कर्कश शब्द । अहंकार युक्त वचन ।
444. टरटराना : बकबक करना । टरटर करना ।
445. टर्रा : घृष्टता से बोलने वाला या वाली । टर्राना : कठोर वचन बोलना ।

446. टलना :हटना । अनुपस्थित होना । दूर होना । समय बढ़ाना । समय बितना । अन्यथा होना । टॉड़ : सामान रखने का ऊँचा

पाटन जो भंडार घर या कमरे में बना होता है । उस तक अलग से सीढ़ी लगा कर चढ़ा जाता है ।

447. टाल :ऊँचा ढेर।जैसे लकड़ी की टाल या कोयले की टाल जो इन वस्तुओं को खरीदने की खुरदा दुकान या रिटेल डिपो होती है ।

448. टालना : न मानना । समय व्यतीत करना । बचा जाना । हटाना । सरकाना । दूर करना । मिटाना ।

449. टिघलाना : गलाना । पिघलाना । धातु को ठोस रूप से द्रव्य रूप में लाना ।

450. टिपवाना : पिटवाना । टिप्पी : वह चिन्ह जो अँगुली में रंग पोत कर बनाया जाता है ।

451. टिप्पणी : व्याख्या । किसी लेख या पुस्तक या विषय पर विचार व्यक्त करना ।

452. टिमटिमाना : कम प्रकाश देना । मन्द मन्द जलना ।

453. टीमटाम : सजावट । तड़क भड़क । पाखण्ड । दिखावा ।

454. टीला : पृथ्वी के तल से ऊँचा भाग । छोटी पहाड़ी ।

455. टीका : लाल रोली से मस्तक पर लगाया जाने वाला चिन्ह । आधिपत्य का चिन्ह । रोग से बचाव के लिये लगाया जाने वाला दवाई का टीका । वर के मस्तक पद तिलक लगाने तथा शगुन के लिये कुछ धन देने की प्रथा ।

456. टेकी : अपनी प्रतिज्ञा पर स्थिर रहने वाला व्यक्ति ।

457. टेकना : सहारा लेना ।

458. टेकाना : सहारा देने के लिये थामना ।

459. टोक : प्रश्न करके किसी की बात में बाधा डालना । बुरी दृष्टि का प्रभाव ।

460. टोकना : बीच में बोल उठना ।

461. टोकाटाकी : पूछताछ करके बाधा डालना ।

462. टीप : बड़ी टोपी ।
463. टोपा : बड़ी टोपी जो कान तक ढॉपने के लिये पहनी जाती है।
464. टोपी : सिर का पहनावा ।

465. ठनका : धातु के टुकड़े पर चोट पड़ने का शब्द ।
466. ठनकाना : शब्द उत्पन्न करना ।
467. ठनकार : ठनक की ध्वनि या शब्द ।
468. ठनाठन : ठन ठन का शब्द लगातार करते हुये ।
469. ठाना : निश्चित किया । स्थापित , किया ।
470. ठनना : दृढ़ संकल्प से किसी कार्य को आरम्भ करना । पक्का होना । लगना । उद्यत होना । निश्चित होना।
471. ठानना । स्थापित करना । नियुक्त करना । जमना । लगना । चित्त में कोई विचार स्थिर करना ।
472. ठिनकना: छोटे बालकों की तरह रोना ।

473. ठपका : ठोकर ,धक्का, आघात ।
474. ठपना : प्रयुक्त करना । लगाना । लगना । निश्चित करना ।

475. ठमक : रूकावट । ठहराव । लचक की चाल ।
476. ठमकना : रूकना , ठहरना , ठिठकना ।
477. ठयना : स्थिर करना ।

478. ठस : ठोस । कड़ा । दृढ़ । खोटा रूपया । कृपण । सुस्त । मट्ठर ।
479. ठसक : गर्व , अहंकार , ऐंठन ।
480. ठसकना : टूटना । पटकना ।
481. ठसाठस :ठूँस कर भरा हुआ।
482. ठहक : नगाड़े की ध्वनि ।

483. ठहर : स्थान , ठौर , ठिकाना ।
484. ठहरना : रुकना , टिकना , डेरा डालना । टिके रहना । प्रतीक्षा करना । थिराना । आसरा देना ।
485. ठहाका : अट्टहास , जोर की हॅसी ।

486. ठाट : ढ़ॉचा, ठठरी, श्रंगार ,वेश, आडम्बर , दिखावट , ढ़ंग, सामग्री, उपाय ।
487. ठाटना : निर्माण करना । बनाना । सजाना ।
488. ठाटबाट : सजावट, श्रंगार, तड़क भड़क, आडम्बर ।
489. ठान : दृढ़ संकल्प, आयोजन, हठ ।

490. ठिर : गहरी ठंड ।
491. ठीक : उचित , निश्चित, शुद्ध , पक्का । स्थिर, सही । युक्त । यथोचित । प्रमाणिक ।
492. ठीक ठीक : उचित रीति से । व्यवस्था । अच्छी तरह से। प्रस्तुत
493. ठेका: निर्धारित समय में कोई काम पुरा करने के लिये उत्तरदायी बनना ।
494. ठेकेदार : ठेका लेने वाला व्यक्ति ।
495. ठुमक : बच्चे की उछल कूद भरी चलने की गति ।
496. ठुमका : पतंग की डोर में झटका देना ।
497. ठुमरी : दो बोलों का छोटा से गीत जो विशेष गायन ताल में गाया जाता है ।
498. ठेला : एक प्रकार की दो या चार पहियों की गाड़ी जिसे व्यक्ति ठेलकर यानि धक्का दे कर चलाते हैं।
499. ठेलाठेली : ध्क्कम धक्का । ठेस : आघात , ठोकर, हल्की सी चोट ।
500. ठेसरा : अभिमानी , घंमडी ।

'ड' अक्षर से आरम्भ शब्द

433. डमरू : हाथ में डुला कर ताल देने वाला एक वादय, जिस में बंधी छोटी सी रस्सी के टकराने से ध्वनि होती है ।
434. डमर : उपद्रव । हलचल ।
435. डगर : पथ । मार्ग । रास्ता ।
436. डग : एक पग से दूसरे पग के बीच की दूरी । वो आदमी लम्बे डग भरता हुआ पुल के पार निकल गया।
437. डगमगाना : पानी में नाव की तरह एक तरफ से दूसरी तरफ नीचे की ओर झुकना । लड़खड़ाना । विचलित होना । स्थिर न होना ।

438. डंक : मधुमख्खी, बिच्छू ततैया, बर आदि विषैले कीटों के पीछे की ओर का विषैला कॉटा, जिससे कीट पास आने वाले अन्य जीवों या व्यक्तियों के हाथ, पॉव, या खुले हिस्सों पर काट कर अपना विष छोड़ते हैं । इसके कारण दर्द, सूजन, बुखार आदि से वह व्यक्ति पीड़ित हो जाता है ।
439. डंका : एक प्रकार का नगाड़ा ।
440. डंड :एक प्रकार का व्ययाम जिसमें हाथ और पंजों के बल झुक कर, बार बार उपर की ओर शरीर को उठाया जाता है ।

441. डपटना :डॉटना । वेग से दौड़ना ।
442. डटना : स्थिर रहना । अड़ना ।
443. डर : भय , आशंका, भीती ।
444. डरना :स्वयं भयभीत होना ।
445. डराना : दूसरे को भयभीत करना ।
446. डरावना : भयानक , भयंकर , भयभीत करने वाली स्थिति ।
447. डरपोक : जो हर समय डरता हो या जल्दी से डर जाता हो । कायर । भीरू ।

448. डाल : शाखा । पेड़ की सख्त टहनी ।
449. डालना : रखना । मिलाना । धारण करना । सौंपना । भीतर घुसाना । लगाना । नीचे गिराना । फेंकना । छोड़ना ।
450. डलिया : फूल फल या खाने की वस्तुऐं सजाकर भेजने की टोकरी ।

451. डाह : ईर्ष्या । द्वेष। जलन ।
452. डाहना : कष्ट देना । कठोर शब्दों से किसी के मन को चोट पहुॅचाना ।
453. डिठौना : काजल का टीका जो शिशुओं को नज़र से बचाने के लिये लगाया जाता है ।
454. डीमडाम : ठाट बाट । घर में सुख का सारा सामान होना ।
455. डीलडौल : शरीर का ढॉचा । कद काठी ।

456. डुबकी : नदी या जलाशय के जल में पूरा, शरीर डूबो कर तुरन्त सिर को जल की स्तह से उपर ले आने की क्रिया ।
457. डूबना : लीन होना । समा जाना । गोते खाना ।

458. डोर : कच्चे सूत का मोटा धागा जो समान्यतः पूजा की वस्तुएं बॉधने के काम आता है । पक्का धागा या मंजा जिस से बॉध कर पतंग उड़ाई जाती है ।
459. डोरना : हाथ पकड़ कर चलना ।
460. डोरा : सूत । तागा । धारी । लकीर । डोरी : रज्जु । रस्सी । पाश ।
461. डोरिया : एक प्रकार का सूती कपड़ा जिसमें मोटे सूत की लम्बी धारियॉ बनी होती हैं ।

462. डोल : कुवें से पानी खींचने के लिये लोहे का गोल बरतन । हिंडोला । झूला । हलचल ।

463. डोलना : चलना । घूमना । फिरना । टहलना । हटना । बिना उद्देश्य के भटकना ।

464. डोली : पालकी जिसमें विवाह के बाद दुल्हिन को घर से विदा किया जाता है ।

465. डेढ़ : एक पूरा और एक आधे का माप । डेढ़ा : डेढ़ गुना । एक पहाड़ा जिसमें प्रत्येक संख्या डेढ़ गुनी बताई जाती है ।

466. डेरा : पड़ाव । ठिकाना । खेमा । निवास स्थान । मकान । नाचने गाने वालों की मण्डली जो कुछ दिनों के लिये एक स्थान या गॉव में ठहरती है।

467. डेवढना : हिसाब बन्द करना । डयोढ़ी : घर के द्वार पर नीचे की ओर बनी पतली से मुंडेर या चौखट या पौरी ।

'ढ' अक्षर से आरम्भ शब्द

468. ढ़ंगः प्रणाली , पद्धति, शैली, बनावट, ढब, रीति , उपाय, युक्ति, अवस्था, व्यवहार ।

469. ढॅगी : धूर्त , कपटी, छली ।

470. ढॅढोर : आग की लपट । लौ ।

471. ढॅढोरना : इधर उधर ढूॅढ़ना ।

472. ढॅपना : छिपाना । ढकना । किसी अन्य वस्तु के नीचे इस प्रकार रखना कि ढॅपी हुई वस्तु किसी को दिखाई न दे ।

473. ढक्कन : किसी पात्र के उपर की खुली जगह पर रख कर उसे बन्द करने का हिस्सा । पात्र के अन्दर रखी वस्तु को ढक्कन बन्द कर के, सुरक्षित किया जाता है । ढक्कन खोलने पर ही वस्तु को देखा जा सकता है या उसे बाहर निकाला जा सकता है ।

474. ढकोसना : बड़े बड़े घूट पीना ।

475. ढकोसला : पाखंड। धोखा देने के उद्देश्य से किया गया दिखावा ।

476. ढाई :दो और आधे का माप या संख्या ।

477. ढाड़ या दहाड़ : गरज । चिंघाड़ ।

478. ढाढ़स : आश्वासन । धैर्य बढ़ाना । सान्तवना देना । ढारस

479. ढासना : टेक, सहारा, ओटकन । ढील : शिथिलता । छोड़ देना ।

480. ढीला : जो दृढ़ता से नहीं बँधा हो । जो तना हुआ न हो ।

'ण' अक्षर से आरम्भ शब्द

481. ण : शिव का नाम । दान, आभूषण , पानी का घर ।

इसमें केवल एक ही शब्द है ।